बनारस जिले के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन

सकीब अहमद अंसारी
पी-एच.डी. शोध छात्र,
डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय,
इंदौर (म.प्र.)

डॉ. (श्रीमती) दिव्या विजयवर्गीय
सहायक प्राध्यापिका एवं शोध निर्देशिका,
डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय,
इंदौर (म.प्र.)

शोध सार

शोध अध्ययन का उद्देश्य "विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना" था। शोध अध्ययन की परिकल्पना "विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है" थी। शोध की प्रकृति सर्वेक्षणात्मक थी। बनारस जिले के माध्यमिक स्तर के आठ विद्यालयों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि द्वारा करने के पश्चात इन विद्यालयों में से कक्षा आठवीं के समस्त विद्यार्थियों को न्यादर्श में सम्मिलित किया गया था। न्यादर्श में कुल 660 विद्यार्थियों का चयन किया गया था। विद्यार्थियों की शैक्षणिक चिंता के आकलन हेतु मानकीकृत शैक्षणिक चिंता मापनी के हिंदी संस्करण का उपयोग किया गया था। मापनी का विकास सिंह एवं सेन गुप्ता (2010) द्वारा किया गया था। इस मापनी की विश्वसनीयता परीक्षण-पुन परीक्षण एवं अर्ध विछेदन विधि द्वारा स्थापित की गयी थी। जिसका मान क्रमश: 0.60 एवं 0.65 था। मापनी की वैधता निकष वैधता विधि द्वारा प्रतिस्थापित की गयी थी। विद्यार्थियों के अनुशासन के आकलन हेतु मानकीकृत अनुशासन मापनी का उपयोग किया गया था। मापनी का विकास सिंह एवं ठाकुर (1988) द्वारा किया गया था। मापनी की विश्वसनीयता परीक्षण-पुन परीक्षण विधि द्वारा स्थापित की गयी थी। जिसका मान 0.87 था। मापनी की विषय विशेषज्ञ वैधता प्रतिस्थापित की गयी थी। प्रदत्तों का विश्लेषण प्रोडक्ट मोमेंट सहसंबंध गुणांक द्वारा किया गया। शोध के निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए- (1) शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य ऋणात्मक एकरूपता 71% है जो कि उच्च एवं विपरीत है। (2) शैक्षिक चिंता एवं समायोजन विपरीत एवं दृढ़ता से सहसंबंधित है। जितनी अधिक चिंता होगी छात्रों का समायोजन उतना ही कम होने की संभावना होगी।

सूचक शब्द : बनारस, माध्यमिक स्तर विद्यार्थी, शैक्षिक चिंता, अनुशासन एवं सहसंबंध

प्रस्तावना

चिन्ता संज्ञानात्मक, शारीरिक, भावनात्मक और व्यवहारिक विशेषतावाले घटकों की मनोवैज्ञानिक और शारीरिक दशा है। यह एक सामान्यकृत मनोदशा है जो कि प्रायः न पहचाने जाने योग्य किसी उपन द्वारा उत्पन्न हो सकती है। एक अन्य दृष्टिकोण यह है कि चिन्ता "एक भविष्य उन्मुख मनोदशा है, जिसमें एक व्यक्ति आगामी नकारात्मक घटनाओं का सामना करने का प्रयास करने के लिये इच्छुक या तैयार होता है" हूडा और सैनी (2017) के अनुसार शैक्षणिक चिंता किसी छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। शिक्षक और माता-पिता स्कूली छात्रों में चिंता के लक्षणों को पहचानना सीख सकते हैं। यदि शिक्षक और माता-पिता छात्रों को चिंता को जल्दी नियंत्रित करना सीखने में मदद करते हैं, तो चिंता से

संबंधित अधिक गंभीर शैक्षणिक समस्याओं से बचा जा सकता है। चिंता समय के साथ और अधिक हानिकारक हो सकती है। यदि शैक्षणिक चिंता को समय पर पहचान लिया जाए तो यह छात्रों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करता है इसलिए शैक्षणिक चिंता के बारे में अधिक जानना आवश्यक है। यह पेपर अकादमिक चिंता के घटकों के बारे में विस्तार से बताता है।

अनुशासन शब्द के अर्थ का अनुमान हम इसे लिखे जाने के तरीके से ही लगा सकते हैं। यह शब्द दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है, अनु + शासन। अनु का अर्थ होता हैं – पालन और शासन का अर्थ होता हैं – नियम। जिसका अर्थ होता हैं नियमों का पालन करना। आसान शब्दों में कहें तो, अनुशासन का दूसरा अर्थ होता हैं, जो व्यक्ति अपने जीवन में नियमों का पालन करके अपना जीवन बिताता हैं उसे 'अनुशासन' कहा जाता हैं। अनुशासन ही वह महत्वपूर्ण चारित्रिक विशेषता है, जो मनुष्य को पशुओं से अलग करती है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। अगर एक बार किसी विद्यार्थी को अनुशासन में रहने की कला आ जाती है, तो उसका जीवन आसान हो जाता है और वह किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक कर लेता है। अनुशासन ही विद्यार्थियों के जीवन में सबसे ज्यादा अहम भूमिका निभाता है। अनुशासित रहकर विद्यार्थी नियमों का पालन करना भी सीखते हैं। अनुशासन का पालन करके ही आगे चलकर एक बच्चा आदर्श नागरिक बनता है।

अध्ययन का औचित्य

निधवान (1972) ने स्कूली बच्चों में चिंता निर्धारण का प्रयत्न अपने अध्ययन में किया एवं यह पाया कि लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा अधिक चिंता होती है। डिअर मेन (1975) के अध्ययन से यह परिणाम प्राप्त हुआ कि चिंता में लिंग एक महत्वपूर्ण कारक नहीं है, अर्थात चिंता का स्तर पुरुष एवं महिलाओं में समान पाया गया। जानिंस एवं पॉलिस (1976) ने विश्वविद्यालय छात्रों पर किए गए अपने अध्ययन में पाया कि लड़के और लड़कियों में चिंता की गहन समानता है। जायसवाल (1980) ने अपने अध्ययन में पाया कि स्नातक स्तर पर छात्रों में चिंता कुंठा एवं समायोजन की प्रवृत्ति समान रूप से व्याप्त है। लोगन (1980) के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि महिलाओं में उदासीनता और चिंता का उच्च स्तर है। गर्ग (1984) ने छात्रों की उपलब्धि के संबंध में चिंता का अध्ययन किया एवं पाया कि चिंता और उपलब्धि के बीच नकारात्मक सहसंबंध है, तथा लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा अधिक चिंता पाई गई। अग्रवाल (2001) ने अपने अध्ययन में यह निष्कर्ष निकला कि निम्न एवं उच्च समूह में विद्यालयीन भिन्नता अध्ययनरत छात्रों के अनुशासनात्मक व्यवहार को प्रभावित करती है। पांडेय (2005) ने अपने अध्ययन में यह पाया कि पिता के अनुशासन व्यवहार का प्रभाव बच्चों कि शैक्षिक उपलब्धि को सार्थक एवं सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। तिवारी एवं तिवारी (2018) ने अपने शोध में निष्कर्ष दिया कि शिक्षार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक तनाव में सार्थक अंतर है। शैक्षिक तनाव, मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। उपाध्याय एवं सिंह (2023) ने अपने अध्ययन में कहा है कि, शिक्षण संस्थाओं का वातावरण छात्र संतुष्टि करने में सहायक होना चाहिए। शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन की जानकारी प्रदान करनी चाहिए। पूर्व में किये गए इन अध्ययनों से यह ज्ञात होता है कि, लिंग विद्यालय आदि के आधार पर शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन पर अध्ययन किया गया है। इसके अतिरिक्त पिता के अनुशासन व्यवहार एवं बच्चों कि शैक्षिक

उपलब्धि के मध्य सम्बन्ध भी ज्ञात किया गया है, किन्तु प्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य सम्बन्ध पर अध्ययन नहीं किया गया है। अत: शोधार्थी द्वारा इस क्षेत्र में शोध कार्य करने की आवश्यकता महसूस की गयी।

उद्देश्य

शोध अध्ययन का उद्देश्य "विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना" था।

परिकल्पना

शोध अध्ययन की परिकल्पना "विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है" थी।

शोध प्रविधि

शोध की प्रकृति सर्वेक्षणात्मक थी।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध कार्य के लिए समिष्ट बनारस जिले के माध्यमिक स्तर के समस्त अनुदानित एवं गैर अनुदानित विद्यालय थे। उक्त विद्यालयों में से चार-चार अनुदानित एवं गैर अनुदानित विद्यालयों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि द्वारा किया गया था। उक्त आठ विद्यालयों में से कक्षा आठवीं के समस्त विद्यार्थियों को न्यादर्श में सम्मिलित किया गया था। न्यादर्श में कुल 660 विद्यार्थियों का चयन किया गया था।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध में दोनों चरों शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के आकलन हेतु मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया गया था।

शैक्षणिक चिंता मापनी

शैक्षिक चिंता के आकलन हेतु मानकीकृत उपकरण का उपयोग किया गया था। विद्यार्थियों की शैक्षणिक चिंता के आकलन हेतु मानकीकृत शैक्षणिक चिंता मापनी के हिंदी संस्करण का उपयोग किया गया था। मापनी का विकास सिंह एवं सेन गुप्ता (2010) द्वारा किया गया था मापनी में कुल 20 पद थे। प्रत्येक पद हेतु दो विकल्प हाँ अथवा नहीं दिए गए थे। इन विकल्पों में से विद्यार्थियों को किसी एक विकल्प का चयन करना था। धनात्मक कथनों हेतु हाँ के लिए 01अंक एवं नहीं के लिए 00 अंक प्रदान किये गए थे। इसके ठीक विपरीत ऋणात्मक कथनों हेतु हाँ के लिए 00 अंक एवं नहीं के लिए 01 अंक प्रदान किये गए थे। इस मापनी की विश्वसनीयता परीक्षण-पुन परीक्षण एवं अर्ध विछेदन विधि द्वारा स्थापित की गयी थी। जिसका

मान क्रमश: 0.60 एवं 0.65 था। मापनी की वैधता निकष वैधता विधि द्वारा प्रतिस्थापित की गयी थी। जिसका सह सम्बन्ध गुणांक का मान 0.57 था।

अनुशासन मापनी

विद्यार्थियों के अनुशासन के आकलन हेतु मानकीकृत अनुशासन मापनी का उपयोग किया गया था। मापनी का विकास सिंह एवं ठाकुर (1988) द्वारा किया गया था। मापनी में कुल 33 पद थे। जिसमे 15 पद धनात्मक एवं 18 पद ऋणात्मक थे। प्रत्येक पद हेतु पांच विकल्प बिल्कुल सही, सही, अनिश्चित, गलत एवं बिल्कुल गलत दिए गए थे। इस मापनी की विश्वसनीयता परीक्षण-पुन परीक्षण विधि द्वारा स्थापित की गयी थी। जिसका मान 0.87 था। मापनी की विषय विशेषज्ञ वैधता प्रतिस्थापित की गयी थी।

प्रदत विश्लेषण

प्रदत्तों का विश्लेषण प्रोडक्ट मोमेंट सहसंबंध गुणांक द्वारा किया गया।

परिणाम एवं व्याख्या

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य "विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना" था। अत: इस उद्देश्य से सम्बंधित प्रदत्तों का विश्लेषण प्रोडक्ट मोमेंट सहसंबंध गुणांक द्वारा किया गया। इसके परिणाम तालिका 1 में प्रस्तुत किये गए है।

तालिका 1 : विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य सहसंबंध गुणांक

चर	अनुशासन	रिमार्क
शैक्षिक चिंता	-0.71	P<0.01

तालिका 1 से विदित है कि सहसंबंध गुणांक का मान -0.71 है, जबकि df=658 है। जो कि 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। इससे यह ज्ञात है कि शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन ऋणात्मक एवं सार्थक रूप से सहसंबंधित है। अत: शून्य परिकल्पना कि "विद्यार्थियों की शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है" को निरस्त किया जाता है। अत: शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य ऋणात्मक एकरूपता 71% है जो कि उच्च एवं विपरीत है। यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन विपरीत एवं दृढ़ता से सहसंबंधित है। जितनी अधिक चिंता होगी छात्रों का अनुशासन उतना ही कम होने की संभावना होगी।

निष्कर्ष एवं चर्चा

शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन के मध्य ऋणात्मक एकरूपता 71% है जो कि उच्च एवं विपरीत है। यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक चिंता एवं अनुशासन विपरीत एवं दृढ़ता से सहसंबंधित है। जितनी अधिक चिंता होगी छात्रों का अनुशासन उतना ही कम होने की संभावना होगी। प्राप्त निष्कर्षों का कारण यह भी हो

सकता है कि, विद्यार्थी में चिंता की अधिक प्रवृति होने के कारण उसमे बेहतर अनुशासन प्रक्रिया का विकास का मार्ग अवरुद्ध होगा दोनों चर एक दूसरे को विपरीत दिशा में समर्थन प्रदान कर रहें है।

परिसीमन

(1) अध्ययन में बनारस जिले के विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया था।
(2) प्रस्तुत शोध में सिर्फ कक्षा के 8 विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया था।
(3) अध्ययन में हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया था।
(4) प्रस्तुत शोध में सिर्फ उ.प्र. बोर्ड के विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया था।

References

Buch, M.B. (Ed.): Second Survey of Research in Education, National Council of Educational Research and Training, New Delhi, 1972 – 78.

Buch, M.B. (Ed.): Third Survey of Research in Education, National Council of Educational Research and Training, New Delhi, 1978 – 83.

Buch, M.B. (Ed.): Fourth Survey of Research in Education, National Council of Educational Research and Training, New Delhi, 1983 – 88.

जमुआर, के.के. (1972). शिक्षा मनोविज्ञान, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना.

सिंह, ए.के. (2021). शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन प्रकाशन, नयी दिल्ली.

तिवारी, पी. एवं तिवारी, डी. (2018). उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत शिक्षार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक रिसर्च इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 4(10), 589-598.

उपाध्याय, ए. के. एवं सिंह, वी. के. (2023). विद्यार्थियों की शैक्षिक संतुष्टि एवं तनाव का अध्ययन : साहित्यिक पुनरावलोकन, जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च 10(9), a541-a550.